Cambridge Assessment International Education

Cambridge International A Level

HINDI **9687/02**

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2023**

INSERT **1 hour 45 minutes**

INFORMATION
- This insert contains the reading passages.
- You may annotate this insert and use the blank spaces for planning. **Do not write your answers** on the insert.

सूचना
- इस अंश वाचन में पाठांश सम्मिलित हैं।
- आप इस अंश वाचन पर अपनी टिप्पणियाँ जोड़ सकते हैं तथा खाली स्थान का उपयोग आयोजन करने के लिए कर सकते हैं। **अपने उत्तर** इस पृष्ठ पर **न लिखें**।

This document has **4** pages. Any blank pages are indicated.

KI 312467
© UCLES 2023

भाग 1

गद्यांश 1 को पढ़ें और **प्रश्न 1, 2** और **3** के उत्तर प्रश्नपत्र पर लिखें।

गद्यांश 1

फ़ैशन की दुनिया

प्रत्येक व्यक्ति के लिए फ़ैशन का अलग-अलग अर्थ है। यह मात्र कपड़े, केश और स्टाइल को ही संदर्भित नहीं करता है। पृथ्वी पर रहने वाले हर व्यक्ति की अच्छा दिखने की इच्छा बढ़ती जा रही है, अतः फ़ैशन अपना परिचय देने का एक आसान तरीका और ग्लैमर का प्रतीक भी बन गया है। फ़ैशन सामाजिक एवं आर्थिक आत्मविश्वास देता है। यह अभिव्यक्ति का एक तरीका है।

कहा जाता है कि जब आप अच्छे दिखते हैं तो आप अच्छा महसूस करते हैं। आज के समय में, जब चारों ओर बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा और तनाव है, तो फ़ैशन इन सभी चीज़ों से अल्पकालिक मुक्ति की भावना प्रदान कर सकता है। फ़ैशन का अनुसरण करना और शैली में बने रहना व्यक्ति को उत्साह और उमंग से भरपूर रखने का एक अच्छा कारक है। फ़ैशन गुरु बिल कनिंघम के अनुसार, "फ़ैशन दैनिक जीवन की वास्तविकता से बचने का कवच है।" चाहे मध्यवर्गीय लोग हों या उच्चवर्गीय, वे फ़ैशन के प्रचलन का पालनकर अपने समाज में स्वीकार किए जाने का एहसास करते हैं।

अधिकतर फ़ैशन हमारी संस्कृति, परंपरा और धारणाओं को प्रदर्शित करता है। अतः वह हमारे इतिहास और प्राचीन विश्वास को संरक्षित रखता है। फ़ैशन के चलन में कला, संगीत और वास्तु-कला का उपयोग स्वयं इनको भी पहचान देता है। उदाहरण के लिए भारतीय फ़ैशन अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण विशालता और विविधता से परिपूर्ण है। विभिन्न राज्यों में त्योहारों एवं अन्य अवसरों पर विशेष परिधान और संगीत कला का उपयोग फ़ैशन को नये आयाम देते हैं।

जैसे-जैसे लोगों की संस्कृति का स्वरुप बदल रहा है, फ़ैशन भी अपना चेहरा बदल रहा है। ऑस्कर वाइल्ड के अनुसार, "फ़ैशन कुरूपता का एक रूप है जो इतना असहनीय है कि हमें इसे हर छह महीनों में बदलना पड़ता है।" इस क्षेत्र में काम करनेवालों के लिए निरंतर नयेपन की होड़ में अपनी रचनात्मकता बनाए रखना कठिन है। आम आदमी की आर्थिक सीमा के भीतर नये फ़ैशन का पालन करते रहना एक बड़ी चुनौती है। फ़ैशन उद्योग विश्व की आर्थिक समृद्धि का महत्वपूर्ण स्रोत है और विश्व में रोज़गार के अवसर खोल रहा है। लेकिन इसका मूल्य उन देशों को चुकाना पड़ता है जहाँ कारीगरों को न्यूनतम पारिश्रमिक देकर काम करवाते हैं और उसका अधिकांश मुनाफ़ा विकसित देशों को जाता है।

फ़ैशन वह मंच है जहाँ विश्व के हर कोने से लोग जुड़ रहे हैं। मिलान या पेरिस जैसे बड़े शहरों के फ़ैशन शो दुनियाभर के लोगों को अपनी योग्यता का प्रदर्शन करने और एक दूसरे से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया द्वारा विश्व का हर देश एक दूसरे के फ़ैशन को अपनाकर वैश्वीकरण को बढ़ावा दे रहा है।

© UCLES 2023

भाग 2

गद्यांश 2 को पढ़ें और **प्रश्न 4** और **5** के उत्तर प्रश्नपत्र पर लिखें।

गद्यांश 2

फ़ैशन के दुष्प्रभाव

आधुनिक समय में फ़ैशन हमारे समाज का एक अभिन्न अंग बन गया है। हम एक ऐसे समाज से जुड़े हैं, जहाँ एक व्यक्ति की सामाजिक स्थिति और व्यक्तित्व उसके बाहरी रूप को देखकर आँके जाते हैं। लोग अच्छे दिखने और दूसरों को प्रभावित करने के लिए परम्पराओं और संस्कृति को छोड़कर नवीनतम फ़ैशन के प्रचलन का पालन करते हैं।

फ़ैशन के उत्पादों और उनके निर्माण की प्रक्रिया की कीमत हमारे पर्यावरण को चुकानी पड़ती है। जैसे जानवरों के चर्म का उपयोग जैकेट में और मनुष्यों पर एलर्जी जानने के लिये जानवरों पर परीक्षण किया जाना। तेज़ी से बदलते फ़ैशन के कारण कपड़ों की इतनी भारी मात्रा हर साल लैंडफ़िल में फेंकी जाती है कि उनसे सिडनी बंदरगाह को प्रतिवर्ष भरा जा सकता है। फ़ैशन उद्योग दुनिया की जल आपूर्ति का बहुत बड़ा उपभोक्ता है। इसके अतिरिक्त यह मानवता के कुल कार्बन उत्सर्जन का 10% उत्पादन करता है, एलेन मैकआर्थर फाउंडेशन की 2017 की एक रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक कार्बन उत्पादन का हिस्सा 26% तक बढ़ सकता है।

कुछ युवाओं के लिए मशहूर हस्तियों द्वारा हर नए फ़ैशन को बढ़ावा दिया जाना और अपने साथियों के दबाव को अनदेखा करना कठिन होता जा रहा है। वे इस बात की परवाह नहीं करते कि यह उनके अनुरूप है या नहीं, या वे इसमें सहज हैं या नहीं। मॉडल की तरह दिखने की कोशिश में वे पतले होने के लिए अपने आहार से समझौता करते हैं। अपने बालों या त्वचा पर उत्पादों के उपयोग के दुष्प्रभाव के बारे में भूल जाते हैं।

अल्बर्ट आइंस्टाइन के अनुसार "यह एक दुखद स्थिति होगी अगर आवरण उसके अंदर के मांस से बेहतर हो।" कुछ लोग फ़ैशन की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं, जैसे चोरी, डकैती आदि। कई बार लोग फ़ैशन की चकाचौंध में असली लक्ष्य जैसे अपने करियर को भूल जाते हैं और फ़ैशन में बराबरी न कर पाने पर मानसिक कुंठा के शिकार हो जाते हैं जिससे उनकी योग्यताएँ प्रभावित हो जाती हैं।

फ़ैशन हमारे समाज के लिए हानिकारक नहीं होगा अगर प्राथमिकताओं में संतुलन बनाए रखकर और पूरी तरह से ग्रस्त न होकर इसे अपनाया जाए। फ़ैशन को अपनी जीवनशैली और पेशे में हस्तक्षेप न करने दें।

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.